industries have disappeared. Even today, despite the huge losses incurred by the small industries, the Department is registering big industries that intend to produce mineral water. What action has been taken in this regard?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The first part of your questions has been answered.

श्री महावीर प्रसाद: श्रीमन्, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है, बिजली, पानी आदि कुछ ऐसी चीजें हैं, जिनका उत्तर मैं पहले ही प्रश्न का उत्तर देते समय बता चुका हूं.....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The first part of your question has been answered.

श्री महावीर प्रसाद: कि इनका संबंध राज्य सरकारों से है। मैं आपसे कहूंगा कि इसमें आप भी मेरी मदद करिए। बिजली की व्यवस्था राज्य सरकार करती है, सुरक्षा की व्यवस्था राज्य सरकार करती है, आवागमन की व्यवस्था राज्य सरकार करती है और इस प्रकार से जो संरचना का कार्य है, इनफ्रास्ट्रक्चर जो है, उसे राज्य सरकार करती है और केन्द्र सरकार पूरक के रूप में काम करती है। हम कोशिश करेंगे कि आपके प्रश्न के प्रति सचेत होकर काम करें।

Bamboo as a source of sustainable livelihood in rural sector

*204. SHRI B. J. PANDA:
MRS. PRAMILA BOHIDAR:††

Will the Minister of AGRO AND RURAL INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Bamboo is a source of sustainable livelihood in the rural sector and Orissa has great potential in this sector;

(b) whether Government propose to help and encourage the case-strapped backward State of Orissa to boost its growth to improve the rural economy of the State; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF AGRO AND RURAL INDSUTRIES (SHRI MAHAVIR PRASAD): (a) to (c) Necessary approval to start implementation of the proposed "National Bamboo Mission" prepared by the Ministry of Agriculture, Government of India for its implementation throughout the country, including Orissa, has not been received. However, the Ministry of Environment and Forests, Government of India has advised all State Governments, including

††The question was actually asked on the floor of the House by Ms. Pramila Bohidar.

Orissa, to include bamboo plantation programmes under the National Afforestation Programme of that Ministry.

MS. PRAMILA BOHIDAR: Sir, I would like to know from the hon. Minister whether the over-exploitation of bamboo for paper mills in Orissa has resulted in deprivation and economic suffering of the traditional bamboo craftsmen. Is there any scheme to regenerate bamboo forest for exclusive use by bamboo workers and traditional craftsmen? Will they be trained for better design and products?

श्री महावीर प्रसाद: महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य महोदया को यह बताना चाहता हूं कि यह प्रश्न वास्तव में कृषि मंत्रालय और वन मंत्रालय से संबंधित है। मैंने कृषि मंत्रालय और वन मंत्रालय से यह सूचना लेकर ही आपके सामने रखी है। मैं माननीय सदस्य महोदया से यह आग्रह भी करूंगा कि विशेष जानकारी के लिए ये कृषि मंत्रालय से जानकारी प्राप्त करें। महोदय, हम जानते हैं कि बांस हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। बांस का आर्थिक जगत में व्यापक लाभ है, लेकिन महोदय, मैं आपके माध्यम से पुन: आग्रह करूंगा कि यदि इस प्रकार की अन्य कोई सूचना माननीय सदस्य महोदया चाहती हैं तो मैं कृषि मंत्रालय और वन मंत्रालय से जानकारी प्राप्त कर लूंगा। चूंकि हमने जो इसमें दो कार्यक्रम बताएं हैं, ये दोनों ही कार्यक्रम वन और कृषि मंत्रालय के अधीन विचाराधीन हैं। यदि उन मंत्रालयों से और अधिक सूचना चाहिए तो उन्हें नोटिस दे दें।

MS. PRAMILA BOHIDAR: What is the allocation of fund for Orissa under the Bamboo Mission? And, what is the status of its utilisation?

श्री उपसभापति: बैम्बू मिशन के लिए कुछ जानकारी मांग रहे हैं।

श्री महावीर प्रसाद: मान्यवर, जैसा कि मैंने बताया है कि बैम्बू मिशन कार्यक्रम मेरे मंत्रालय का नहीं है।...(**व्यवधान**)...इस प्रकार की एलोकेशन कितनी है या कितना धन आबंटित किया गया है, यह मेरा विषय नहीं है।...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु: महोदय, यह इस मंत्रालय के तहत नहीं आता है तो लिस्ट करने से पहले ही यह ...(**व्यवधान**)...होना चाहिए था।

श्री उपसभापति: देखिए, पार्ट 'A' "whether it is a fact the Bamboo is a source of sustainable livelihood in the rural sector..." इसमें आ सकता है।

श्री नीलोत्पल बसु: सर, इतनी मुश्किल से मैम्बर का क्वेश्चन बैलेट होता है। अगर ऐसा मंत्रालय जो इस सवाल का जवाब नहीं दे सकता है।...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: ठीक है।

श्री नीलोत्पल बसु: सर, ये जो विषमताएं हैं, इनसे अलग सवाल होना चाहिए।...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: ज्वाइंट रेस्पॉसिबिलिटी होने पर...(व्यवधान)...सरकार की तरफ से जवाब देना चाहिए। ऐसा कैसे हो सकता है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Sometimes, the information is not available *(Interruptions)*...Your can find out. *(Interuptions)* ...(व्यवधान)...जो भी पूछ कर जवाब दे देंगे।... *(Interruptions)*....

श्री वीरभद्र सिंह: सर, मुझे सवाल पूछने का मौका दीजिए।

श्री उपसभापति: मैं आपको मौका दे रहा हूं।...(व्यवधान)...आप पूछिए।

श्री वीरभद्र सिंह: सर, मंत्री जी बैम्बू के बारे में जो बता रहे हैं, यह फॉरेस्ट प्रोडक्ट है, लेकिन उड़ीसा की पॉपुलरटी ऐसी है कि बैम्बू फारेस्ट में भी और देहात में भी है। यह एग्रिकलचर सब्जैक्ट नहीं है, लेकिन प्रश्न यह आता है कि मणिपुर, नागालैंड और त्रिपुरा में, नार्थ ईस्ट में बैम्बू की जो कारीगरी होती है, यह बिल्कुल स्माल स्केल इंडस्ट्री से जुड़ा है। इसीलिए नार्थ-ईस्ट में जो सुन्दर-सुन्दर बैम्बू के जो प्रोडक्ट्स होते हैं, उनका कोई जवाब नहीं है। इसलिए उड़ीसा में होगा तो कब होगा, इस पर मंत्री साहब जवाब दें।

श्री उपसभापति: उनको यह पूछना है कि बैम्बू को स्माल स्केल इंडस्ट्री में जो यूज करते हैं तो आपकी मिनिस्ट्री में इसका क्या प्रोग्राम है? ...(व्यवधान)...

श्री महावीर प्रसाद : श्रीमान् मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि मैंने कहा है कि हो सकता है उनके पास बांस न हो। मेरे पास खुद बांस है और मैं खेतिहर किसान हूं, इसलिए इसकी महत्ता को देखते हुए, मैं कृषि मंत्रालय से बात करके, इनको बता दूंगा कि क्या क्या मूल्यांकन है और हम क्या कर सकते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: अच्छा रिप्लाई दिया है और उसकी इम्पोर्टेंस को वे जान गए हैं और वे कोशिश करेंगे । क्वेश्चन 205

देश में लौह-अयस्क के भंडार

*205. श्री अजय मारू: क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में वर्तमान में लौह-अयस्क के भंडार का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) लौह अयस्क के भंडारों का पता लगाने के लिए झारखंड तथा अन्य राज्यों में अंतिम सर्वेक्षण कब कराया गया था; और

(ग) खनिज भंडारों की खोज हेतु सर्वेक्षण कितने अंतराल में कराया जाता है?